अनुक्रम

दो शब्द —डॉ. नामवर सिंह 9

जगदम्बाप्रसाद मिश्र 'हितैषी' : एक परिचय —डॉ. देवीशंकर अवस्थी 11

'हितैषी' : व्यक्ति और कविता —सुरेश सलिल 13

बजावहि बानी की बीना 23

प्रभात 24

सुमनोक्ति 27

सुमन के प्रति 30

वृक्ष-भाव 33

कुहू-कुहू बोलने वाली बता 34

पिक-पंचम-तान से आगत का अभिनंदन 35

नृत्य करतीं तितलियाँ 36

पावस-नर्तकी नाचती आई 37

बूँद के बाण हैं 37

मन चंद्रमा चुराता है 38

हे प्रकाश-प्रिये! 39

दीपक 42

नीरव रजनी 47

आँखें 48

पथरा गई हैं आँखें 51

अश्रु के बिंदु की थाह न पा सकोगे 51

आँखें फेर बैठे आप 52

पत्र तुम्हारा मिला 53

मेरा हृदय और मैं 54

आत्मकथन 56

उपालम्भ 58
गगन-कथन 60
मातृ-वियोग 62
महायात्री से (कालाकांकर नरेश अवधेश सिंह की स्मृति में) 64
जीवन-दर्शन 66
कवि-कथन 72
गुण मंजु 'द्विवेदी' के 74
गज-ग्लानि 75
सीता सरमा के प्रति 76
सुभद्रा : अभिमन्यु के प्रति 77
कृष्ण अर्जुन के प्रति 78
अर्जुन सैनिकों के प्रति 78
दिल ये दिलदार का दौलतख़ाना बने 79
भगवान और भक्त 80
तू 82
बिन्दु में सिन्धु 83
मातृ गीता 84
ग़ज़ल 90
शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले 91
दो चौपदे 92
कुटिल कुशासन 93
यह बच्चा दुधमुहाँ 93
ग़रीब का है परमेश्वर और 94
उमर ख़ैयाम की रुबाइयाँ और 'हितैषी' के अनुवाद —*सुरेश सलिल* 95

परिशिष्ट **110**

अनूप शर्मा : सरस्वती-स्मरण 111
'कमलेश' (रामशंकर गुप्त) : ताजमहल 116